



करंट क्राइम

सिर्फ सच...



03 • नई दिल्ली | बुधवार 16 अक्टूबर - 2024

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

भाजपा पार्षद शीतल चौधरी के घर पर किया निगम के बुल्डोजर ने वार



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इन दिनों जनप्रतिनिधि और खासतौर से निगम पार्षद अपने वार्ड को शिकायतें कर रहे हैं। कोई बाजार में बुल्डोजर लेकर

पार्षद ने दिखाया बड़ा दिल और कहा मेरा वार्ड ही मेरा परिवार



पहुं-चता है तो कोई खामोशी से शिकायत कर चक्रे तुड़वाता है, लेकिन एक ऐसी भी पार्षद है जिसने कहा कि मेरे वार्ड की जनता से मेरा परिवार वाला नाता है। जब



निगम का बुल्डोजर अतिक्रमण हटाने उनके वार्ड में पहुंचा तो यहां पार्षद और उनका परिवार अड़ गया। किस्सा नगर निगम के वार्ड संख्या-9 से जुड़ा है। इस



वार्ड से भाजपा की पार्षद शीतल चौधरी चुनाव जीती हैं। उन्होंने यहां बसपा का गढ़ ध्वस्त करते हुए पहली बार कमल खिलाया है।

मगर सूत्र बताते हैं कि निगम के दस्ते ने जब कार्रवाई करने और रैम्प वाला अतिक्रमण ध्वस्त करने की बात कही तो यहां पार्षद और उनके परिवार ने बड़ा दिल दिखाया और कहा कि वार्ड हमारा परिवार है और अगर बुल्डोजर का वार होना है तो पहला वार हमपर होगा। फिर सब हैरान रह गये जब नगर निगम के दस्ते ने भाजपा पार्षद शीतल चौधरी के घर के बाहर ध्वस्तकरण की कार्रवाई और यहां रैम्प तोड़ा और उसके बाद नगर निगम की टीम चली गई।

नगर निगम की टीम के जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। दैनिक करंट क्राइम ने जब भाजपा पार्षद शीतल चौधरी से बात की तो उन्होंने कहा कि वार्ड की जनता हमारा परिवार है और अगर हमारा निर्माण तोड़कर वार्ड की जनता का निर्माण बचता है तो मुझे वो भी स्वीकार है। मैं क्षेत्र की जनता के साथ हूँ। उन्होंने बताया कि जब निगम की टीम पहुंची तो वह उस समय वृंदावन और बरसाना में गई हुई थीं। शीतल चौधरी ने कहा कि मुझे वार्ड की जनता ने चुना है और जनता के लिये मैं हर चुनौती स्वीकार करने को तैयार हूँ।

कॉन्टेस्ट दीपक भाटी

डिजाइन नरेश शर्मा

शहर विधानसभा उपचुनाव

करंट कॉमिक न्यू एडिशन

Episode 9

कुर्सी स्वयंवर धूम मचा दे - टिकट करा दे

आखिर 13 नवम्बर को चुनाव आयोग विधानसभा उपचुनाव की घोषणा कर देता है। फिर कुछ चीजें आनन-फानन में होने लगती हैं।

1. सतीश शर्मा : लीजिए कांग्रेस अध्यक्ष विजय चौधरी जी। आपके कहने पर यह मायावी कुर्सी (2) बना दी है। अब इसे आरकेजीआईटी कॉलेज कैसे पहुंचाना है। यह अब आपकी जिम्मेदारी है।

2. विजय चौधरी : धन्यवाद मायावी मंत्री सतीश शर्मा जी। आपने ये बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य कर दिया। विधानसभा उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में आपकी बनाई इस मायावी कुर्सी से ही अब भाजपा को चकमा दिया जा सकता है। मेरे भाई नसीम खान इस कुर्सी को आरकेजीआईटी कॉलेज में चुपचाप रख देंगे।

3. नसीम खान : विधास कायम रखने के लिए अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं अपने क्रांतिकारी भाई और जेल के साथी जीतू शर्मा के साथ इस कुर्सी को आरकेजीआईटी कॉलेज पहुंचा दूंगा। हम दोनों जानते हैं कि अंधेरे में काम को कैसे अंजाम देते हैं।

अगले ही दिन नसीम खान और जीतू शर्मा सभी को चकमा देकर आरकेजीआईटी कॉलेज के गुप्त कमरे में अपनी मायावी कुर्सी (2) रखने में कामयाब हो जाते हैं।

1. जीतू शर्मा : नसीम भाई यहां तो पहले से ही दो कुर्सी पड़ी हैं। फिर तीसरी कुर्सी यानी हमारी कुर्सी का क्या होगा?

2. नसीम खान : ज्यादा सोचो मत जीतू भाई। काम को अंधेरे में निपटकर निकल लो। हमें जो मिशन मिला है वो हमें पूरा करना है।

अधिसूचना जारी होने के बाद लोकसभा के चक्रवर्ती सभाट सांसद अतुल गर्ग, मेयर सुनीता दयाल को फोन करके मायावी कुर्सी को लौटाने के लिए फोन करते हैं।

1. अतुल गर्ग : नमस्कार बहनजी! अधिसूचना जारी हो गई है। इसलिए कुर्सी का स्वयंवर जल्द कराना होगा। कृपया अब आप कुर्सी वापस कर दीजिए।

2. सुनीता दयाल (मेयर) : जी सांसद जी, मैंने एमएलसी दिनेश जी से मिलकर, आपको आगे की योजना के बारे में बताती हूँ।

मेयर सुनीता दयाल के साथ एमएलसी दिनेश गोयल और उनके कट्टर समर्थक राजेश त्यागी और अधिनी शर्मा जिस कमरे में वलोन कुर्सी और मायावी कुर्सी बंद थी, उसे देखने के लिए पहुंचते हैं। मौके पर 2 की जगह 3 कुर्सी देखकर सतीश शर्मा हैरान हो जाते हैं।

3. राजेश त्यागी : इस बारे में तो हमारे स्क्रिप्ट राइटर मास्टर अधिनी शर्मा ही कोई आइडिया देंगे।

4. अधिनी शर्मा : दिनेश जी हमें कुछ नहीं करना। सांसद अतुलजी को मौके पर बुलाकर सब दिखा देते हैं। कह देंगे, ये कैसे हुआ, हमें पता नहीं। वैसे भी कुर्सी गायब कहाँ हुई है। एक की जगह तीन हो गई हैं।

1. सुनीता दयाल : भाई साहब हमने तो दूसरी कुर्सी बनाई थी। ये तीसरी कहां से आ गई।

2. दिनेश गोयल : ऐसे तो सांसद और उनके साथी विधायक हमें घेर लेंगे। सभी कुर्सियां हू-ब-हू हैं। पता ही नहीं चल रहा है। इसमें कौन-सा वलोन वाली (हमारी) और कौन-सी मायावी (अतुल जी वाली) कुर्सी है।

मास्टर अधिनी शर्मा का आइडिया कामयाब होता है। अगले दिन दिनेश गोयल के कहने पर सांसद अतुल गर्ग उनके कॉलेज कुर्सी लेने पहुंच जाते हैं।

1. दिनेश गोयल : सांसद जी, पता नहीं ये एक कुर्सी तीन में कैसे बदल गई। आप ही बताइए क्या करना है।

2. अतुल गर्ग : दिनेश जी, अब असली-नकली का पता लगाने का समय नहीं बचा है। हमें इन तीनों कुर्सियों को स्वयंवर में रखना होगा। जो योद्धा तीनों कुर्सियां तोड़ देगा वो स्वयंवर जीत जाएगा। वो ही होगा शहर सीट से विधायक उम्मीदवार।

आखिर स्वयंवर की तारीख आ ही जाती है। जिसे देखने के लिए कार्यकर्ता उमड़ पड़ते हैं।

1. अतुल गर्ग : मुझे लगता है कुर्सी भगवा कमांडर संजीव शर्मा तोड़ देंगे।

2. सुनील शर्मा : मुझे लगता है ये कुर्सी मयंक गोयल, ललित जायसवाल, पवन गोयल में से ही कोई तोड़ेगा।

3. अजित पाल त्यागी : इस कुर्सी को भगवा कमांडर ही तोड़ेगा। बाकी एक चेहरा वो है जो स्वयंवर में भाग नहीं ले रहा।

4. दिनेश गोयल : इस कुर्सी को मेरा प्रिय पंजाबी चेहरा ही तोड़ेगा। वो स्वयंवर में नजर नहीं आ रहा।

जज पैनल

5. सुनीता दयाल : चिंता मत कीजिए दिनेश जी। वो पंजाबी चेहरा इस कुर्सी को तोड़ने जरूर आएगा।

6. नंदकिशोर गुर्जर : मेरा भाई मयंक गोयल इस कुर्सी को तोड़ेगा। भगवा कमांडर ने एक पुलिस अधिकारी की तारीफ करके खुद की शक्तियों का क्षीण कर लिया है।

7. नरेंद्र कश्यप : जो मायावी कुर्सी तोड़ देगा उसको मेरा आशीर्वाद है।

मायावी कुर्सी तोड़ने के लिए सभी योद्धा मौके पर अपने अस्त्र-शस्त्र के साथ आ जाते हैं।

7.11 सतेंद्र शिरोदिया : कुर्सी मेरे ही बाहुबल से टूटेगी।

7.2 संजीव शर्मा : मैं तोड़ूंगा इसको।

7.3 मयंक गोयल : मैं इसके परखच्चे उड़ाऊंगा।

7.4 ललित जायसवाल : मैं काट डालूंगा इसको।

7.5 अजय शर्मा : कुर्सी को गिल्ली-डंडा बनाकर खेलेगा।

7.6 पवन गोयल : मैं मसल दूंगा इसको।

7.7 मानसिंह गोस्वामी : मेरे चारों हाथ, इसको चकनाचूर कर दूंगा।

7.8 संजीव गुप्ता : मैं कुर्सी को दम घोट दूंगा।

7.9 अनिल अग्रवाल सांवरिया : मैं टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा।

7.10 सुनील यादव (रेड फेस) : मैं कुर्सी को निगल जाऊंगा।

7.11 हिमांशु लव : मैं इसके फूंक से उड़ा दूंगा।

7.12 वेद प्रकाश गर्ग : मैं इसको चबा जाऊंगा।

7.13 सरदार एसपी सिंह : मैं इसको गायब कर दूंगा।

एंकर (दीपक भाटी) : जिसका इंतजार था वो घड़ी आ गई। सभी योद्धा अपने अस्त्र-शस्त्र के साथ मायावी कुर्सी तोड़ने को उतर चुके हैं। देखना अब यह है अधिसूचना जारी होने के बाद कौन-सा योद्धा तीनों कुर्सियों को तोड़ेगा। कुर्सी तोड़ने के बाद किसको टिकट मिलेगा। सब कुछ बहुत ही जल्द होना है। कुर्सियों को तोड़ने के लिए अगले एपिसोड में कई योद्धा अपनी ताकत आजमाएंगे। मायावी कुर्सी को तोड़ने का सिलसिला शुरू हो चुका है। देखते रहित, पढ़ते रहिए अपना पसंदीदा अखबार दैनिक करंट क्राइम।

कहानी आने वाले समय में और भी रोचक होगी। इसलिए पढ़ते रहिए अपना पसंदीदा नंबर वन अखबार दैनिक करंट क्राइम। पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त....!

नोट : दैनिक करंट कॉमिक की ये सीरीज पूरी तरह से हमारी कल्पना पर आधारित है। पोलिटिकल किरदारों के साथ लिए गए शब्द हमारी काल्पनिकता के आधार पर लिखे गए हैं।

